

GILLETTE: BILLED AFTER DEATH

FERDINANDO FREGA



जिलेट: मौत के बाद बिल

The Art of Attraction · 07

मरना कभी समस्या नहीं बना था। मेरे जैसे आदमी के लिए एकमात्र चिंता जगह का चुनाव थी, और अगर मुझे वह मौका मिलता, तो मैं ज़रूर सबसे अच्छी जगह चुनता: किसी ऐसी औरत का बिस्तर जिसे मैं नहीं जानता।

मेरी समझ में, हम जो हैं और जो बनेंगे, उनके बीच यह कहीं बेहतर संक्रमण-बिंदु था, हमेशा यह योजना बनाते हुए कि दहेज के रूप में सुख का ऐप साथ ले चलें।

अहाहाहाहाह

क्लिनिकल कोमा के छह दौरों ने कोशिश की और नाकाम रहे, अनुमानित जीवन-काल मोटे तौर पर अड़तालीस घंटे से लेकर ज़्यादा से ज़्यादा तीस दिन तक बताया गया। लेकिन ये भविष्यवाणियाँ करने वाले अक्सर डॉक्टर होते थे — वे जिनके नुस्खों का पैसा सरकारी स्वास्थ्य सेवा देती है, और सिर्फ वे ही नहीं: वह भी जो दवा कंपनियों के लिए लिखे गए खास नुस्खों में छिपी फ़ीस पर अपनी प्रेमिका के साथ छुट्टी पर जाता है — और कभी, बिल्कुल कभी नहीं, मौसम-विज्ञान के किसी विशेषज्ञ की असली भविष्यवाणी।

और हर बार, बिस्तर के पास, रखा रहता — समय का पाबंद, और जहाँ तक मुझे याद है हमेशा वही, वही आकार और रंग, वही बारीकियाँ, बिना हवा के छेद, जैसे नाप से बनाया गया हो — एक ताबूत, नाम की पट्टी के साथ: FERDINANDO FREGA।

कोई मुस्कुराता नहीं था, लेकिन वह हमेशा वहीं रहता, इंतज़ार करता, जब तक नरक का बोर्ड यह तय करता कि मुझे धरती पर छोड़ना ज़्यादा फ़ायदेमंद है, gillettenarrative.com के साथ सबके लिए सिरदर्द बने रहने के लिए, या मुझे उस जगह जाने देना, बिना फ़ोन और बिना पैसे के,

जहाँ मैं शायद एक नया ALPHABETDEVIL रच देता जो ज़रूर उनके मौजूदा ढाँचे को भी हिला देता।

और जब साफ़ हो गया कि मुझे धरती पर ही रहना है, तो एक दिन अंतिम संस्कार कंपनी का बिल भी आ गया, ब्योरे और लागत की मदों में इस विवरण के साथ:

शव-वाहन के 6 पड़ाव;

ताबूत की बुकिंग;

दोहरी परत वाला मॉडल, साइज़ XXL;

तीस घंटे के लिए लगाए गए आठ अर्थी उठाने वाले;

रखरखाव और स्टैंडबाय के साथ प्रतीक्षा का समय;

कर और वैट।

ब्याज और पुनर्मूल्यांकन।

कुल: 3,500 यूरो, बिल की तारीख से 30 दिनों के भीतर बैंक ट्रांसफ़र से देय।

इस जादू में फँसकर, मैं प्राप्तकर्ता का ब्योरा जाँचने गया, यह मानते हुए कि कोई ग़लती है, और इसके बजाय मुझे अपना ही ब्योरा मिला, एकदम सही। कोई शक नहीं था: मरे हुए को ज़िंदा का बिल चुकाना था, और माँग पर कोई विवाद नहीं हो सकता था।

लेकिन किसी को नहीं पता था कि मैं वह हूँ जिसकी तुम उम्मीद नहीं करते। अस्पताल से बाहर, अपने ख़ाली समय में और घर पर लंबे इंतज़ार के दौरान, मैंने अंतिम संस्कार कंपनी को फ़ोन करने का ध्यान रखा, खुद को मृतक का बेटा बताकर। कुछ समय लगाने के बाद, एक के बाद एक मज़ाक करके, और सेक्रेटरी की हमदर्दी जीतकर, मैंने उसे डिनर पर बुलाया, और उसे हाँ कहने में कोई दिक्कत नहीं हुई। आखिर मैं तो बस मरे हुए का बेटा था।

मैं मामले को खुद अपनी आँखों से देखता और समझता कि उसके बाद क्या होता है, जब किसी आदमी को परिभाषा से ही मरा हुआ मान लिया जाता है — लेकिन मैं उसे ज़िंदा रहकर बता पाता। यही बात मुझे लुभाती थी।

मैं उसे उसके घर से लेने गया। उसने तेज़, मीठा इत्र लगाया था, वैसा जो कहता है मुझे ले चलो, मैं तुम्हारी हूँ। वह लगभग चालीस की थी, पहली जवानी में तो बिल्कुल नहीं।

मैं उससे काफ़ी बड़ा था, लेकिन मेरे परिवार में उम्र हमेशा एक राय रही है, जन्म प्रमाणपत्र पर लिखा तथ्य नहीं, और वैसे भी, कोई पहचान-पत्र लेकर बिस्तर में नहीं जाता: वह चर्च के लिए होता है, जब शादी करते हैं।

डिनर के बाद मैंने मौत के बिल पर आपत्ति जताई — सेवाओं पर नहीं, वे तो पवित्र थीं और उन पर कोई विवाद नहीं, बल्कि उनकी गुणवत्ता और प्रकार पर, जिन पर न सहमति हुई थी न प्रस्ताव दिया गया था: ऑर्डर अपने-आप चला गया था। बेचारी ने उस पल की मुश्किल महसूस की और उसके पास मुझे छूट देने के सिवा कोई चारा नहीं था। लेकिन कितनी?

मैं आक्रामक नहीं दिखना चाहता था — आखिर मैं तो कथित मृतक था — इसलिए मैंने पैसों वाला हिस्सा किसी और दिन के लिए टाल दिया, और वह मान गई।

जब डिनर का बिल चुकाने का समय आया, जैसे जादू से, मुझे पता चला कि मेरे पास मेरा बटुआ नहीं है, लेकिन वह इतनी दयालु और भली थी कि बोली वह संभाल लेगी, कोई बात नहीं। मुझे रक़म अब भी याद है: 169 यूरो।

जब हम निकले, मैं उसे घर वापस ले गया और माफ़ी माँगी। मैंने समझाया कि मेरा बटुआ सारे कागज़ों के साथ खो गया है और उस शाम के लिए, रोमांस भी खोई हुई चीज़ों में ही रहेगा।

वह मुस्कुराई लेकिन कुछ नहीं बोली। उसने सिर हिलाया, वैसे जैसे सिर्फ़ औरतें जानती हैं।

लगभग एक घंटे बाद मैंने उसे मैसेज किया कि वह मिल गया है, और फिर वे पंक्तियाँ जिन्होंने उसे झकझोर दिया:

पता है, मैं वही हूँ जिसका बिल था।

मैंने तुमसे कहा था कि मैं मर चुका हूँ।

समस्या यह है कि मैं अब भी ज़िंदा हूँ, और तुम्हारी कंपनी को पैसे का नुक़सान करवाता रहता हूँ।

169 यूरो उसका सबूत हैं।

ऐसे आदमी पर कभी भरोसा मत करो जो मरता नहीं।

Ferdinando